

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

छठी पीढ़ी का फाइटर जेट : न अमेरिका के पास, न चीन के पास – भारत AMCA से आगे की तैयारी में

Publisher

Published on 09 Sep 2025



फाइटर जेट्स किसी भी देश की **सैन्य शक्ति और तकनीकी क्षमता** का सबसे बड़ा प्रतीक होते हैं। वर्तमान में दुनिया के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान पाँचवीं पीढ़ी के हैं, जिनमें अमेरिका का **F-35**, चीन का **J-20** और रूस का **Su-57** प्रमुख हैं।

लेकिन अब अगली दौड़ **छठी पीढ़ी (6th Generation)** के फाइटर जेट की है। खास बात यह है कि अब तक **न अमेरिका, न चीन, और न रूस** – किसी भी देश के पास यह क्षमता नहीं है। सभी देश रिसर्च और विकास के चरण में हैं।

भारत पहले ही **Advanced Medium Combat Aircraft (AMCA)** प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, जिसे 5वीं पीढ़ी का स्वदेशी लड़ाकू विमान माना जा रहा है। DRDO और HAL मिलकर इसे विकसित कर रहे हैं।

लेकिन ताज़ा रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत ने अब AMCA से आगे बढ़कर **छठी पीढ़ी के फाइटर जेट** के लिए भी खाका तैयार कर लिया है।

स्टेल्थ (Stealth Technology): दुश्मन के रडार पर न आने की क्षमता।

AI आधारित युद्ध प्रणाली: कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संचालित हथियार और ऑटोमेशन।

ड्रोन-स्वार्म नियंत्रण: एक ही फाइटर जेट से दर्जनों ड्रोन को नियंत्रित करने की क्षमता।

हाइपरसोनिक स्पीड: ध्वनि से 5 गुना तेज़ उड़ान भरने की क्षमता।

लेजर और डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स: भविष्य के युद्धों में इस्तेमाल होने वाले हथियार।

दुनिया कहाँ खड़ी है ?

अमेरिका NGAD (Next Generation Air Dominance) प्रोग्राम चला रहा है। चीन J-XX प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। यूरोप फ्रांस, जर्मनी और स्पेन मिलकर **FCAS (Future Combat Air System)** पर काम कर रहे हैं। ब्रिटेन और जापान टेम्पेस्ट प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। लेकिन इनमें से कोई भी प्रोजेक्ट अभी तक टेस्टिंग के अंतिम चरण तक नहीं पहुंचा है।

भारत का “प्लान-Beyond AMCA”

भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन (DRDO) और एयरोनॉटिकल डिवेलपमेंट एजेंसी (ADA) ने संकेत दिया है कि AMCA के बाद अगला कदम 6th Gen Fighter होगा।

- **टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेटर** : पहले तकनीकी प्रोटोटाइप विकसित होगा।
- **AI और नेटवर्क सेट्रिक वारफेयर** : पूरी तरह डिजिटलीकृत और नेटवर्क से जुड़े सिस्टम।
- **मानवरहित विकल्प** : पायलट की जगह ड्रोन मोड पर भी उड़ान की क्षमता।

भारत को क्यों है जरूरत ?

1. **क्षेत्रीय सुरक्षा** : चीन और पाकिस्तान लगातार अपनी वायुसेना को मजबूत कर रहे हैं।
2. **सैन्य आत्मनिर्भरता (Atmanirbhar Bharat)** : विदेशी आयात पर निर्भरता कम करनी है।
3. **भविष्य की तैयारी** : आने वाले दशकों में युद्ध की प्रकृति बदल जाएगी, और भारत को पहले से तैयार रहना होगा।

आर्थिक और रणनीतिक पहलू

- **लागत** : एक 6th Gen फाइटर जेट प्रोजेक्ट पर अरबों डॉलर खर्च होंगे।
- **साझेदारी** : भारत अंतरराष्ट्रीय सहयोग की संभावना तलाश रहा है, जैसे फ्रांस और रूस।
- **रक्षा निर्यात** : भविष्य में भारत अपने विकसित फाइटर जेट्स को अन्य देशों को भी बेच सकेगा।

विशेषज्ञों की राय

- **रक्षा विशेषज्ञ** : भारत का यह कदम साहसिक है, लेकिन लंबा और महंगा सफर होगा।
- **पूर्व वायुसेना अधिकारी** : AMCA का सफल विकास छठी पीढ़ी के प्रोजेक्ट का आधार बनेगा।
- **अर्थशास्त्री** : यह रक्षा क्षेत्र में भारत की स्थिति को वैश्विक स्तर पर मजबूत करेगा।

छठी पीढ़ी का फाइटर जेट फिलहाल दुनिया के लिए एक सपना है, लेकिन भारत ने इस दिशा में योजना बनाकर यह संकेत दे दिया है कि वह केवल “फॉलोअर” नहीं बल्कि **ग्लोबल लीडर** की भूमिका निभाना चाहता है।

न अमेरिका, न चीन और न ही रूस के पास यह तकनीक है। ऐसे में भारत का यह कदम उसकी **रणनीतिक ताकत और तकनीकी आत्मनिर्भरता** का प्रमाण है। अगर यह योजना सफल होती है, तो आने वाले वर्षों में भारत उन गिने-चुने देशों में शामिल होगा जिनके पास **6th Generation Fighter Jet** होगा और यह भारतीय वायुसेना की ताकत को अभूतपूर्व स्तर तक ले जाएगा।